

松陽スピット

1面…吹奏楽部特集  
20年ぶり全国金賞受賞

2面…体育祭特集  
お茶の葉の再利用の実践

3面…松陽生の活躍  
能代松陽高校と交流

4面…芸棟の謎に迫る①  
松陽グルレポ探検隊

生徒会長の山口君の作品。明清代の書家王鐸のリズミカルな連綿体の書風を意識し、スムーズに文字が目に入るよう工夫した。県高校書道展で秀作賞を受賞。管理棟3階に展示中。〔長野雄太〕

今年も一年を締めくくる時期となった2025年で、明るい話題の一つに大阪関西万博の開催

# 「原点回帰」の曲で挑戦

してきた」と金賞に向けての道のりを振り返った。

**音を体で表現**

今までと違う松吹へ

生徒指揮の内村結衣さん  
(3・7・城西中)は「練習の最初は基礎合奏を必ずすることによってお互いの音を丁寧に聴き、少しでも音色が揃うように積み重ね

生徒指揮  
内村結衣さん  
(3-7・城西中)

と練習方法について工夫したことを語った。

を大切にしてきた。また、パート内や同じグループの人たちで一緒に練習をして音の方向性を合わせた。常にホルルのイメージをもって練習を心がけた」と語り、こつこつと日々の練習を積み重ねる大切さを語った。

インスペクター  
佐藤芽依さん  
(3-7・川内北中)

インスペクターの佐藤 芽  
衣さん（3・7・川内北中）  
は松吹の魅力を「艶があり  
ある意味高校生らしくない

大人っぽい、聴いていて心地の良いサウンド」と語った。「ローマの祭り」は少し荒っぽくオーバーに演奏しなければならぬところもあり、自慢のサウンドは残しつつ、より忠実に表現できたという。〔立野美吹〕

新しい知恵を結集するために必要な明るい笑顔に満ちていた。政治的な立場の違いや文化の違いを乗り越える「共創」の姿勢は万博が終わってなお、色あせることはないと感じる。

〔立野美吹〕

〔立野美吹〕

音楽科 教諭  
立石純也先生 (56)

てしまっ  
たため全  
国大会で  
は曲名ら  
しく「祭  
り」の楽  
ば、それは過去大会につ

は何だと感じていますか

**A** 基本を大切にルーティンにこだわるという点では練習に違いはありません。ただ「金賞につながった」と思える理由があるとすれば、それは過去5大会にわたって全国大会に出場することが出来た積み重ねだと思います。自分の中では過去の演奏も今年と同じレベルの演奏だと自負しています。そういう意味ではこれまでの卒業生に感謝の気持ちでいっぱいです。

**Q** これからの目標を教えてください。

Q 今回の演奏曲について  
の思いを教えてください

てください

A 全日本で金賞を受賞し

**A** 自由曲に選んだレスピーギ作曲「ローマの祭り」は

たからといって何も変わりません。ただ今年と同じよ

2004年に松陽高校が初めて全国大会で金賞を受賞

うな結果を得たいのであればさらにコツコツと活動し

今年、吹奏楽部は「原点回

でいくしかありません。二  
スクールの結果がすべてで  
はありませんが、大塚塾で二

た。結果的に20年ぶりの金

「愛好している方に応援される」「愛されるバンド」でな

た楽曲で再び受賞することができました。

なくてはならないと思っています。

Q 金賞につながった理由

〔立野美吹〕

クター  
衣さん  
(川内北中)

大人っぽい、聴いていてく

インスペ  
佐藤芽依  
(3-7・ル

た。「ローマの祭り」は少

インスペクターの佐藤芽衣さん(31・7・川内比中)

しなればならないところ

は松吹の魅力を「艶があり  
ある意味高校生らしくない

残しつつ、より忠実に表現すべきところ。『立野美次』

[illegible]

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

1300

※「松陽スピリット」は学校の公式HPにバックナンバーとともに掲載されています。生徒の氏名に付記した中学校名は出身中です。